ब्रिज मटेरियल्स

भाषा सेतु

अंगिका से मानक भाषा

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा विकसित

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 में बच्चों के घर की बोली या उनकी मातृभाषा को उनके सीखने का सबसे मजबूत आधार माना गया है। बच्चों की शिक्षा उनकी मातृभाषा के माध्यम से दी जाए, यह शिक्षाशास्त्र का मान्य सिद्धांत है। भाषाविदों एवं शिक्षाशास्त्रियों की राय भी इस पक्ष में है कि बच्चे जिस भाषा को अपने परिवेश से पकड़ते या सीखते हैं, उसे आधार बनाकर अन्य भाषाओं का सीखना आसान हो जाता है।

बहुभाषिकता बिहार के भूगोल की पहचान हैं। भाषा-भूगोल की दृष्टि से देखें तो यह प्रांत मैथिली, भोजपुरी, मगही, अंगिका एवं बज्जिका के पाँच भाषायी क्षेत्रों में विभक्त है। इन स्थानीय भाषाओं में आपसी संवाद की पुरानी परंपरा रही है और यह संवाद एक मानक भाषा के रूप में हिन्दी को भी शक्ति देती है। इसे ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री अमरजीत सिन्हा से प्राप्त निर्देश एवं मार्गदर्शन के आलोक में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा बिहार के अपनी भाषाओं के शब्दों का कोश तैयार किया गया है। यह शब्दकोश नहीं बल्कि ऐसी शिक्षण सामग्री है जो भाषा-सेतु की तरह स्थानीय भाषा से मानक भाषा हिन्दी को जोड़ने का प्रयास करेगी। हमारे स्कूलों में दाखिला लेने वाले बच्चे इन्हीं भाषाओं को अपने साथ लेकर कक्षाओं में आते हैं जिसके आधार पर हमें उनके लिए सीखने का माहौल बनाना चाहिए।

यह हमारे शिक्षकों के लिए भी आवश्यक है कि वे बच्चों के परिवेश एवं उनके अनुभव जगत की भाषा को समझें एवं कक्षाओं के भीतर उसे सम्मान दें। अतः यह ब्रीज मटेरियल व भाषा-सेतु उन शिक्षकों के लिए भी सहायक होगा जो अपनी मातृभाषा के इतर भाषायी क्षेत्रों में शिक्षण का कार्य करते हैं। उनके लिए भी यह एक सहायक सामग्री भी है।

विद्यालयों को यह स्वतंत्रता है कि इस ब्रीज मेटरियल का उपयोग विविध रूपों में कर सकते हैं।

परिषद् कृतज्ञ है बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के राज्य निदेशक श्री राहुल सिंह एवं बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक निगम के प्रबंध निदेशक श्री जे.के.पी. सिह के, जिनके परामर्श एवं सहयोग के बिना यह कार्य असंभव था। हम आभारी हैं उन शिक्षकों, साहित्यकारों, भाषाविदों, शिक्षाशास्त्रियों, डायट एवं एस.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों, जिनके सहयोग से यह कार्य संपन्न हुआ। अकादमिक सहयोग के लिए यूनिसेफ बिहार का परिषद् आभारी है।

परिषद् का अपने तरह का यह पहला प्रयास है। अतः इसे त्रुटिहीन नहीं माना जा सकता। इसे और बेहतर एवं उपयोगी स्वरूप देने में आपके बहुमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

22 मार्च, 2013

हसन वारिस
(निदेशक)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना

अंगिका

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
अंकुर	गजुर

पाठ - 1 हमारा गाँव

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
हमारा	आपनो, हमरों
विद्यालय	इसकूल
पेड़	गाछ
साईकिल	सायकिल
कुदाल	कोदरा, कोदार
कंधा	:कान्हों
मोटर साईकिल	:फटफटिया

पाठ : 2 हमारा शहर

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
बातचीत	गपसप

पाठ : 3 प्रार्थना

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
प्रार्थना	प्रारथना, निहोरा
वरदान	फैल, वरदान
दो (देना)	दे
पढ़ लिख कर	पढ़ी लिखी के
ज्ञान	गियान, अक्कल

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
सदा	हरदम्मे
जग	संसार, दुनियाँ
छोटे	छोटका
बड़े	बड़का
कहना	कहनाय
लगाकर	लगाय के

पाठ : 4 आओ खेलें खेल

आओ	आबें, आर्बो
कुत्ता	कुक्कुर, कुत्ता
रोना	कानर्वो
चित्र	फोटो

पाठ : 5 चंदा मामा

गुड़	शक्कौर
थाली	थरिया
प्याली	पियाली, छिपली, छिपिया
रूठ	रूसी गेलै

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
मुन्ना	बुतरू, बौआ, नुनुआँ, चिलका
आसमान	सरंगों, आकाशों
अवसर	मौका
पकाए	सिझाय, रिन्है
मनाना	फुसलाय, बौसें छै
मनायेंगे	फुसलैवें, बौंसवें
मामा	मामू

पाठ : 6 धम्मक - धम्मक

केला	केरा
कितने	केत्तें
बाईं	बामा, बायाँ
दाईं	दहिना, दायाँ
पहचानना	चिन्हना
पहचान कर	चीन्हीं कें
भर-भर	भरी भरी

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 7 पतंग	
पतंग	गुड्डी
उड़ी	उड़लै
इसको	एकरा
उसको	ओकरा
सैर-सपाटा	घूमलै फिरलै
जुटी	भिरलै, जुटलै
ढूढ़ कर	खोजी कें
चौकोर	चकुट्ठा
सहायता	मदत्, लगलै-भिरलै, लागी-भिरी कें
कैसे	केना
तुम	तोंय
किस	कोन
पाठ : 8 मन करता है	
मन	मॊन
अकड़	ऐंठ, रूआब, हेकड़ी, गुमान

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
शोर	हल्ला
पापा	बाबू
चरखी	लटेरे, पट्टा
पृष्ठ	पन्ना, पाट
समूह	जेरों
पुस्तक	पोथी, किताब
चिपकाएँ	साटों

पाठ : 9 आलू का पराठा

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पराठा	परौठा
बातचीत	गपसप
दीपक	दीया, दीपली, दोपड़ी
मूली	मुरय
कुली	जॉन
ध्वनि	अवाज
सेंक	रीन्ह
पसंद	पसीन, पसिन
चीज	जिनिस

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 10 पटना का चिड़ियाघर	
चिड़ियाघर	चिड़ियाखाना, चिड़याँर्घोर
जैविक	जोर्बो से जुड़र्लो
उद्यान	बाग-बगीचा
तोता	सुग्गा
बंदर	बानर
जानवर	मवेसी, जनावर
उंगली	औंगरी
पाठ : 11 चालाक चीकू	
बिल्ली	बिलाय
चूहा	मूर्सो
हिस्सा	बखरा, बटबारा
मैं खाऊँगी	हर्म्मे खैयर्बे
मूर्ख	बुड़बक, बाकल, मुरूख
सरपट	धरपट, सीदर्धे, सरपट्र्टे
अभिनय	नार्टोक, नक्कॅल, नौटंकी, ठेठर

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
मधुर	मिट्ठो
नाखून	नोह
झूला	झुलुआ
फागुन	फगुआ
दातुन	दतन

पाठ : 12 हरे पेड़

पेड़	गाछ
चरवाहा	धोरय
चींटी	चूटी, पिपरी, खोंटा
प्रश्न	प्रस्ने
उत्तर	जबाब
दोस्त	संगी, मीता
चबा गई	चिबाय गेलै
काली	करिया
नहीं	नै
खिलाया	खिलैलकै
रो रहा था	कानी रहलो छलै, कानै रहै

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 13 लालची कुत्ता	
लालची	
कुत्ता	कुक्कुर
पूंछ	नेंगरी
पैर	टांग, गोंर
पूल	पुलिया
पार करना	टपै रहै (टपना)
पाठ : 14 दो दोस्त	
मित्र	संगी, साथी, मित्रा
अचानक	चोक्कें, स्, अनचोके, एक बारगी
उनके	उनको, ओकरों
सांस रोक कर	दम साधी कें
लेट गया	घोलटी गेलै
जमीन पर	भुइयाँ में
मुसीबत	फेरा, आफत, बिपत
सुझ-बुझ	सोची समझी कें, समझी-बुझी कें

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 15 शेर और सियार	
सियार	गीदर
झूला डाला	झुलुआ टांगलकै
छेद	भूरकी
बुद्धिमान	होसियार, अकलमन
पंजा	झापड़, झप्पट्टा, थप्पर
तना	धोंर, (धड़)
फंस गया	लसकी गेलै
रिक्त	खलिया
स्थान	जग्घो
पूर्ति करें	भर्हो, भरपाय कर्हो
कोष्ठक	कोसठक
क्रम	बारी, एक-एक करी कें
सार्थक	सारथक
निम्न	निचलका
आओ	आबो

अंगिका

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
लेकिन	मतरकी, मतरकि
ईख	केतारी
ऐनक	ऐना (आयना के अर्थ में), चश्मा
ओखल	ऊँखरी
औरत	जनानी

पाठ्यपुस्तकों में प्रयुक्त हिन्दी शब्दों के अंगिका समानार्थी शब्द

अंगिका

अंकुर, भाग - 2

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द

पाठ : 1 चित्रपठन

चित्रपठन	फोटो देखि कें पढ़ाय
बादल	मेघ, घटा
कूदाल	कोदार, कोदरा
साड़ी	सड़िया
घड़ा	घैला
बाल्टी	दोल
चूल्हा	चूल्हों
कड़ाही	लोहिया

पाठ : 2 कौआ और लोमड़ी

कोआ	कौवा
पेड़	गाछ
डाली	ठाल, हल्ली
मुँह खोल कर	बेंत बाय कें
क्या	की
कहाँ	किनै, कहाँ
क्यों	कैहनै

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द

पाठ : 3 नानी तेरी मोरनी

तेरी	तोर्रो
गए	गेलै, गेलान
जो	जे
काले	करका, कार्रो
चोर	चोरबा, चोर
बाकी बचा	बचलका, बचलै
खबर ली	डंगैलकै
थानेदार	दरोगा
सरकार	राजा, मालिक, सरकार
कंजूसी	कैयां
इक	एगो
रूसा-रूसी	गोसैर्वो

पाठ : 4 प्रभु मेरा जीवन के सुन्दर

प्रभु	देवता, भगवान, परभु
मेरा	हमर्रो
जीवन	जिनगी

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
सुन्दर	बढ़िया, निक्को
तन	देह
मन	मौंन
आँगन	ऐंगना
सोना	सुतबों
जागना	जागबों
वाणी	बोली, बोलबों
बचपन	बचपन, छोटपन
चिन्तन	सोच-विचार, सोचबों

पाठ-5 प्यासा कौआ

प्यासा	प्यासलॅ
घड़ा	घैला, हड़िया, मटकी
कंकड़	ढेला, गित्ती

पाठ : 6 दो बकरियाँ

जंगल	जंगल, बौंन
नाला	डांड़, नाला
किनारे	किनछा

अंगिका

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
हरी-हरी	हरियर, हरहर्रो
चरने	चरैर्ले
इधर-उधर	हिन्र्ने, हुन्र्ने, इन्र्ने-उन्ने
गहरा	गहर्रो
पेड़	गाछ
पुल	पुल
तंग	सांकर्रो, पातर्रो
पांव	टांग, गोड़
पक्षी	चिड़ैया
आस-पास	अर्गोल-बर्गोल
किसने	के / कौने
किससे	केकरा सें
समस्या	मुसीबत, आफत, फेरा
सहेली	सक्खी
पड़ोसी	बगलगीर
रिश्तेदार	संबंधी, कोर-कुटुम
पहेली	बुझौवल

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
चित्रकार	फोटो बनवैया, चितेरा
पैर	टांग, गोड़
सिर	माथा, मुंडी, मुड़ी
पहचान	चिन्ह
किसके	केकरा
कौन-कैसा	की-कैहर्नो
स्थान	जग्घो, जग्घा, थान

पाठ : 7 बहुत हुआ

बहुत हुआ	ढेर होलै, ढेर भेलै
बादल	मेघ, घटा
कीचड़	कार्दो
सभी को	सब्भै र्के
सारा	सौंसे
जाएँ	जइयै
बोरियत	मौन नै, लागनाय
क्यों	कहिनै, कैहने
मौन	चुपचाप, गुमसुम

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
सुआ	सुग्गा
दुआ	आसीरबाद
बारिस	झौर, बरखा बुन्नी
टपकना	चूर्बो
झेलना	बरदास्त करना, सहना
सो जाओ	सुनी जो
अंदर चलो	ढुकें
निशान	चिन्हा
समान	एक्के रंग, एक्के रं
तस्वीर	फोटो

पाठ : 8 भालू ने खेली फुटबॉल

सुबह	भोर
वक्त	बेरा, बखत
कोहरा	कुहासा, कोहरा
सिमटकर	गुड़मुड़िया कें
सैर	घुमै ले
अक्ल	अकोल, अक्कल

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
हासिल की जाय	पैर्लोजाय
हड़बड़ी	धरफड़ी
दहाड़ा	गरजलै
डाल	ठल्ली, डार
जल्दी	तुरते, तुरंत
पछताए	पछतैले
फुर्ती	फुरती, धप-सना
लपक लिया	लोकलकै
दो बार	दू दाव, दू मरतबा, दू दफा
परेशान	तंग
आफत	फेरा
गायब हो गया	बिलाय गेलै
जमीन	भुइयां
कहानी	किस्सा, खिस्सा
अनुसार	मोताबिक
क्या होता	की होथिऐ
कक्षा	किलास

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 9 किसान, भालू और आलू	
किसान	खेतिहर
एक	एगो
था	रहै
बोना	गोरर्बो, रोपर्बो
हल	र्होर
समीप	लगीच, नजदीक, लिकचा
खुद	आपनै, अपनें, आपन्हैं
गेहूँ	गहूम
गुस्सा	रोख
चखकर	चाखी कें
पाठ : 10 अगर पेड़ भी चलते होते	
अगर	जों
चलते होते	चलतें रहाते है
कितने मजे	केत्ते मजा
रस्सी	डोरी

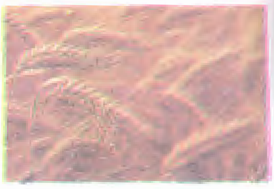

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
धूप	रौदा
वर्षा	झौर, बरसा बुन्दी
छिप	लुक
मधुर	मिट्ठों
कीचड़	कोर्दो
बाढ़	बाढ़ों, बोर्हो
बेल	लत्तर
लड़ी	सिक्कर
छिलका	बौखला

पाठ : 11 हाँ जी हाँ, ना जी ना

हाँ जी हाँ	हौं जी हौं
ना जी ना	नै जी नै
पकाते भी हो	रिन्तौंह छौ ?
ऐसे कैसे चले	ऐना केना चलतै ?
रोटी	मंडा, मार्रो, मॉड़ा
खाना बनाना	भनसा करबों
पूछ	लेंगरी, नेंगरी
खांसी	खोंखी

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द

पाठ : 12 कितने कौए

एक बार	एक दाव, एक दाउ, एक बेर, एक मर्तबा
टहल रहे थे	घूमै रहै, घूमै छलै
मंडराने लगा	घूरनी काटै लागलै, घुर्रे लागलै
चोंच	लोल
कदम	डेग
दरबार	बैठकी
राजधानी	राजधानी
कितने	कत्तें
कर्मचारी	मोलाजिम
फिर	फेरू
चुप	गुम
सप्ताह	हप्ता
थैली	झोरी, झोली
कैसे	केना
मेहमान	कुटुम

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
झांककर	हुलकी कें
सड़क	उर्गोर, सड़ोंक, रहता
छत	पक्का, कोठा, छत्तों
मनपसंद	मनानुकुर

पाठ : 13 चूँ-चूँ की टोपी

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
चूहा	मूर्सो
गठरी	पोटरी
अच्छा	निक्कों
मुफ्त	मंगनी
फौज	सिपाही, जेरा कें संग
खतरनाक	खुराफाती, नसकर्टो
गोटा	चमकी
आटा	चिक्सों
मोहल्ला	टोला
बिल्कुल	छीनर्मोन

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 14 मेला	
मेला	तमासा
चाट	घूमनी, घूघनी
पास	लिगचा, लगीच्चा, लगीच, नगीच
सलोना	निम्मोन
फूले नहीं समाए	हुबगर्रो होलियै
ठेल-ठाल	खीचा-खींची,छीचे तीरी कें
पाठ : 15 निशा की चिट्ठी	
प्यारी	दुलारी, दुलारो
प्रणाम	गोर लागौं
ठीक-ठाक	निक्कों
पता है ?	जानै छौ ?
आइसक्रीम	मलाई बरफ, इस्क्रमी
चिड़ियाघर	चिड़ियाँघोर
लाइन	कतार, पंगत
टिकट	टिकस, टोकस, टिक्कस
कल्पना से	मर्नो सें, मर्नो सं

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
पाठ : 16 होली	
होली	फगुआ
आई	ऐलैय, ऐली, ऐलै
भाई (भाया, अच्छा लगा)	निक्कों लागलै
मित्र	संगी, दोस्त-मोहिब
गुलाल	अबीर
पिचकारी	फुचकारी
पकवान	पकवान
संदेश	सनेश, सनेस
त्योहार	परब
टोली	जेरा
नाराज	गोस्सैलों (गोस्सैलों)
मेंढक	बेंग
डलिया	दौरी, मौनी
पाठ : 17 बंदर और टोपी	
गायब हो गया	बिलाय गेलै
झुंझलाकर	झंझुलाय कें
समेट कर	सोरियाय कें, सरियाय कें

हिन्दी के मानक शब्द	अंगिका के शब्द
छायादार	झमटगर्रो
बंदर	बानर
तस्वीर	फोटो

पाठ : 18 पहेलियाँ

पहेलियाँ	बुझौवल
तवा	तबिया, ताबा
सिर	माथा, माथौ
गला	ठोठा, गरा, गल्ला
डोर	रस्सी
छोर	ओरी, छोर
कहानी	खिस्सा

पाठ : 19 इच्छा

मेंढ़क	बेंग
इच्छा	मोॅन, इच्छा
लहर	देहू, देब
डूबा रहे	भरलोॅ रहे, डूबलोॅ रहे
शोर	हल्ला-गुल्ला, गल-गुदर

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा विकसित

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लि० पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800 001 द्वारा आदेशित
तथा न्यू फाईन आर्ट ऑफसेट पटना द्वारा 500 प्रतियाँ मुद्रित